

तेजस्व (von तेजस्) n. *das Wesen des Lichts* BHAG. P. 3, 26, 39.
 तेजस्यं (wie eben) adj. *ansehnlich, herrlich*: या वामिन्द्रावरूपा स-
 कृस्या रत्नस्यां तेजस्यां तनूः TS. 2, 3, 22, 1.
 तेजस्वत् (wie eben) 1) adj. *scharf; glänzend; kräftig, ansehnlich*: ते-
 जस्वद्धेरो अस्तु ते AV. 18, 3, 71. अग्नि TS. 2, 2, 3, 3. 4. 3, 3, 4, 1. लोकान्
 KHAND. UP. 7, 11, 2. तेजस्वदस्तु मे मुखम् तेजस्वच्छिरो अस्तु मे । तेजस्वा-
 त्स्विद्यतेः प्रत्यङ् । तेजसा सं पिपृधि मा TB. 2, 7, 3, 3. PANĀV. Br. 24, 18.
 — 2) f. तेजस्वती N. pr. einer Prinzessin KATHĀS. 18, 77. — Vgl. ते-
 जोवत्.
 तेजस्विता (von तेजस्विन्) f. *energisches Wesen* MBH. 3, 10755.
 तेजस्वल (wie eben) n. *Glanz* MBH. in BRNF. Chr. 34, 7.
 तेजस्विन् (von तेजस्) P. 5, 2, 122, Sch. VOP. 7, 29. 1) adj. *glänzend;*
kräftig, energisch; Achtung gebietend, würdevoll: एकधा तेजस्विनीं दे-
 वतामुपैति TB. 1, 3, 1, 4. अग्नीषोमीयोस्तेजस्विनीस्तनूः संयदधत 1. तत्पु-
 ष्यं तेजस्व्यकृः 1, 3, 3, 1. AIT. Br. 1, 5. TS. 2, 2, 3, 4. 3, 3, 7. अग्ने तेजस्विते-
 जस्वी तं देवेषु भूयाः 3, 3, 4, 1. ÇAT. Br. 11, 6, 2, 3. 12, 1, 2, 23. ÅCV. GRHJ.
 1, 21. M. 9, 318. अग्निस्तेजस्विनीं वरः MBH. 4, 42. तेजस्तेजस्विनामहम्
 BHAG. 10, 36. यथा हि तेजस्विरो दिवाकरः R. 4, 11, 11. आदित्य इव तेज-
 स्वी 5, 31, 47. PANĀT. I, 92. नत्तत्र MBH. 6, 83. दैत्येन्द्र SUND. 1, 2. भीम HIP.
 3, 21. नल N. 20, 32. प्रतापयुक्तस्तेजस्वी नित्यं स्यात्पापकर्मसु । डृष्टसाम-
 त्तिच्छिद्य तदाग्रेयं व्रतं स्मृतम् ॥ M. 9, 310. तेजस्वी संतोभात्प्रायः प्रतिपद्य-
 ते तेजः ÇĀK. 158, v. l. तेजस्विन्यवलिप्तता (गायत्री) BHARTY. 2, 44. कार्यस्य
 गवात्तमनुद्धता ये तेजस्विनस्ते न विकल्थना ये VARĀH. BRH. S. 74, 8. *heftig,*
auffahrend: बहुभुक्पर्दाररतस्तेजस्वी 101, 2. परमं BRAHMA-P. in LA.
 51, 10. तेजस्वि नावधीतमस्तु *Kraft u. s. w. verleihend* TAITT. UP. p. 50.
 Das fem. mit der End. des superl.: यदेवादः सोममाकर्तस्माद्यज्ञमुखं प-
 र्यन्तस्मात्तेजस्विनीतमा (गायत्री) TS. 6, 1, 4, 4. तेजस्विनितम KĀTH. 23, 10.
 — 2) m. N. pr. eines Sohnes des Indra MBH. 1, 7304. — 3) f. तेजस्विनी
 = *श्यातिष्मती* *Cardiospermum Halicacabum* ÇABDAR. im ÇKDR. = *म-*
कृष्यातिष्मती RĀĠAN. im ÇKDR.
 तेजःसंभव (तेजस् + सं) m. = रस *Lympha* H. 620. — Vgl. अग्निसंभव.
 तेजःसिंह (तेजस् + सिंह) m. N. pr. eines Astronomen Ind. St. 2, 251.
 तेजःसेन (तेजस् + सेना) m. N. pr. eines Mannes RĀĠA-TAN. 8, 400. fgg.
 तेजिनी f. 1) *eine best. heilkräftige Wurzel* (vulg. तेजवळ). — 2) *San-*
severa zeylanica NIGH. Pa.
 तेजिष्ठ (superl. zu तिग्म und तीक्ष्ण) adj. *überaus scharf, — spitz;*
— leuchtend, — heiss; — kräftig, heftig: तं कर्जमुत पूर्णं वधीस्तेजि-
 ष्टयातिथिग्रवस्य वर्तनी RV. 1, 53, 8. तेजिष्ठाभिर्रिषिभिः 127, 4. तेजिष्ठया
 तपनी रत्नसंस्तप 2, 23, 14. 6, 12, 3. अयः 9, 70, 2. भानवः 10, 3, 5. ÇAT. Br.
 1, 2, 4, 13. तेजिष्ठ तपति PANĀV. Br. 23, 16.
 तेजियंस् (compar. zu तिग्म und तीक्ष्ण) adj.: स तेजियसा मनसा वीतः
 RV. 3, 19, 3. अज्ञानी पुरुषः शश्रज्जडितश्च स्वकर्मणा । तेजियसा न दोषाय
 वङ्कः सर्वभुञ्जो यथा ॥ BRAHMAVAIV. P. im ÇKDR. *hoch angesehen, ein hoch-*
stehender Mann (vgl. तेजस्वत्, तेजस्विन्) BHĀG. P. 3, 12, 31. 23, 3. 4, 6, 4.
 तेजियु (von तेजस्) m. N. pr. eines Sohnes des Raudrāçya MBH. 1,
 3701. — Die Namen der übrigen Söhne gehen gleichfalls auf रयु aus.
 तेजोनाथतीर्थ (तेजस्-नाथ + तीर्थ) n. N. eines Tirtha, *das T. des Licht-*
herrn (der Sonne?) ÇIVA-P. in Verz. d. Oxf. H. 66, a, 40.

III. Theil.

तेजोमण्डल (तेजस् + मण्ड) n. *Lichtscheibe* PRAÇNOP. 4, 2.
 तेजोमन्थ (तेजस् + मन्थ) m. N. eines baumartigen Strauches, *Premna*
spinosa (Feuer durch Reibung erzeugend) RATNAM. 5. — Vgl. अग्निमन्थ.
 तेजोमय (von तेजस्) adj. f. ई *aus Glanz —, Licht bestehend, leuchtend*
 ÇAT. Br. 14, 3, 5, 1. 7, 2, 6. KHAND. UP. 6, 3, 4. ÇVETIÇV. UP. 2, 14. M. 6, 39.
 SUND. 4, 22. BHAG. 11, 47. R. 1, 7, 18. von Çiva Çiv. सर्वतेजोमय (von सर्व-
 तेजस्) *alle Kraft, Energie in sich schliessend* M. 7, 11. ब्रह्मतेजोमय (von
 तेजस्) 14.
 तेजोमूर्ति (तेजस् + मूर्ति) adj. *ganz aus Licht bestehend* M. 3, 93.
 तेजोराशि (तेजस् + रा) m. *ein Berg von Glanz u. s. w., lauter Glanz*:
 मेरु MBH. 1, 1098. Çiva Çiv. Vgl. तेजसो राशिं पुराणमृषिसत्तमम् MBH.
 3, 9900.
 तेजोत्रय (तेजस् + त्रय) adj. *aus lauter Glanz u. s. w. bestehend, vom*
Brahman (n.) BRAHMAVAIV. P. im ÇKDR.
 तेजोवत् (von तेजस्) 1) adj. *glänzend*: (मुक्तापालं) कैविरं प्रमाणतेजोवत्
 VARĀH. BRH. S. 82(80, b) 6. — 2) f. तेजोवती a) = चव्य *Piper Chaba W.*
Hunt. (brennend) RATNAM. 98. — b) *Scindapsus officinalis Schott. (गज-*
पिप्पली) ÇABDAR. im ÇKDR. SUÇ. 2, 23, 14. 62, 9. 94, 3. 375, 8. 421, 11.
 499, 11. — c) = *मकृष्यातिष्मती* RĀĠAN. im ÇKDR. — d) = vulg. ते-
 जोवळ *eine best. officinelle Wurzel* NIGH. Pa. — e) N. pr. einer Fürstin
 KATHĀS. 17, 34. — Vgl. तेजस्वत्.
 तेजोविद् (तेजस् + विद्) adj. *Glanz, Licht u. s. w. besitzend* TS. 3, 3, 1, 1.
 तेजोविन्दूपनिषद् (तेजस्-विन्दु + उप) f. *Lichttropfen, Titel einer*
Upanishad COLEBR. Misc. Ess. I, 93. Ind. St. 2, 62. fgg.
 तेजोवीज (तेजस् + वीज) *Mark* NIGH. Pa.
 तेजोवृत् (तेजस् + वृत्) m. = *नुनाग्निमन्थ* RĀĠAN. im ÇKDR.
 तेजोवृत् (तेजस् + वृत्) n. *ein glanzvolles, würdevolles, hohes Beneh-*
men: इन्द्रस्यार्कस्य u. s. w. तेजोवृत् नृपश्चरेत् M. 9, 303.
 तेजोवृत् (तेजस् + वृत्) f. = *तेजस्विनी* BHĀVAP. im ÇKDR. = vulg.
 तेजोवळ (s. u. तेजिनी) NIGH. Pa. SUÇ. 2, 71, 1.
 तेदनी f. *Blut (oder geronnenes Blut)* VS. 25, 2. AV. 20, 131, 11. पशो-
 स्तेदनी न कुर्वति ÇAT. Br. 1, 9, 2, 35. 13, 5, 2. PANĀV. Br. 21, 4. ÇĀH.
 GRHJ. 6, 1. ऽनि 2, 12.
 1. तेन (instr. von 1. त) adv. 1) *in der Richtung, dahin*; in Correl.
 mit येन *in welcher Richtung, wo*: येनाग्निस्तेन गतः P. 2, 1, 14, Sch. SADDH.
 P. 4, 17, a. — 2) *in der Weise, so*; in Correl. mit येन *in welcher Weise,*
wie: येनेन्द्राय ब्रह्मस्पतिर्वासः पर्यद्घादमृतं तेन त्वां परिदधामि PĀ. GRHJ.
 2, 2. येनास्य पितरो याता येन याताः पितामहः । तेन यायात्सतां मार्गं तेन
 गच्छन् रिष्यते ॥ M. 4, 178. praep. *so in Bezug auf, gegen* (acc.): येनेशं
 हरिरीशस्तं तेन VOP. 5, 7. — 3) *in Folge dessen, daher, deshalb* H. 1537,
 Sch. M. 7, 36. 8, 313. HIP. 1, 46. N. 21, 30. R. 1, 54, 12. ÇĀK. 3, 12. 28, 11.
 MBH. 6. HIT. 19, 19. I, 109. KATHĀS. 2, 13. 34. ÇUK. 41, 15. In Correl. mit
 येन *weil*: न तेन स्वविरो (वृद्धे M. 2, 156) भवति येनास्य पलितं शिरः
 MBH. 3, 10631. M. 3, 155. mit यस्मात् MBH. in BRNF. Chr. 16, 11. DAÇ.
 2, 24. mit यत्स SĀH. D. 2. mit यद् M. 1, 11. 3, 283. DAÇ. 2, 51. तेन हि so —
 denn ÇĀK. 3, 15. 6, 15. 24, 7. 27, 14. 28, 2. 54, 28. 61, 11 u. s. w. VIKĀ. 5, 16.
 2. तेन m. = *गानाङ्गविशेष* ÇKDR. *a note or cadence introductory to*
a song, etc. WILL. तेनेति शब्दस्तेनः स्यान्मङ्गलानां प्रदर्शकः । तेशब्देनो-